इंद्रजाल
कॉमिक्स
संख्या १०७
हत्यारा
वनमानुष
मूल्य
भारत में
एक प्रति ७५ पैसे
वार्षिक मूल्य
रु. १९.००
अन्य देशों में
एक प्रति १ शि.

पेपरमिंट के
मज़ेदार ज़ायकेवाली
चिक्लेट्स चूइंग गम

६० पैसे में १२

एडम्स का श्रेष्ठ उत्पादन

अज्ञात पहाड़ी
तेम्बाला की घाटी में एक अनोखा पहाड़ी कबीला बसा हुआ था। यह कुर्गान कबीला बड़ा शान्ति-प्रिय था — और सारी दुनिया से बिल्कुल अलग! कुर्गान कबायलियों को किसी ने देखा तक नहीं था... देखा था केवल मृत्युंजय वेताल ने! एक और आदमी वहाँ आ पहुँचा तो उनका जीवन ही बदल गया!
ऊपर उड़ाओ!... ऊपर उड़ाओ!..
ईईईईययाही

हमारे जाल में यह कैसी चिड़िया आ फँसी?

यह एक-आँख की नहीं है... ऐसी चमकती है जैसे हमारे मन्दिर की चाँदी!

देखो! इसमें कोई जीव है!

इन्हें ओझा के पास ले चलें... इनकी साँस चल रही है!

इसकी हालत खराब है... बहुत खराब!

हमारे जाल में चिड़िया फँसी... उसमें से ये निकले?

चिड़िया बहुत बड़ी थी... धातु की!

देखो! पीले बाल वाली! हिलती है!

...अब यहाँ राज करूँगा... यहाँ की हालत बदल दूँगा! आज से... मैं इस प्रदेश का शासक हूँ... और सबको मेरी आज्ञा के अनुसार चलना होगा!
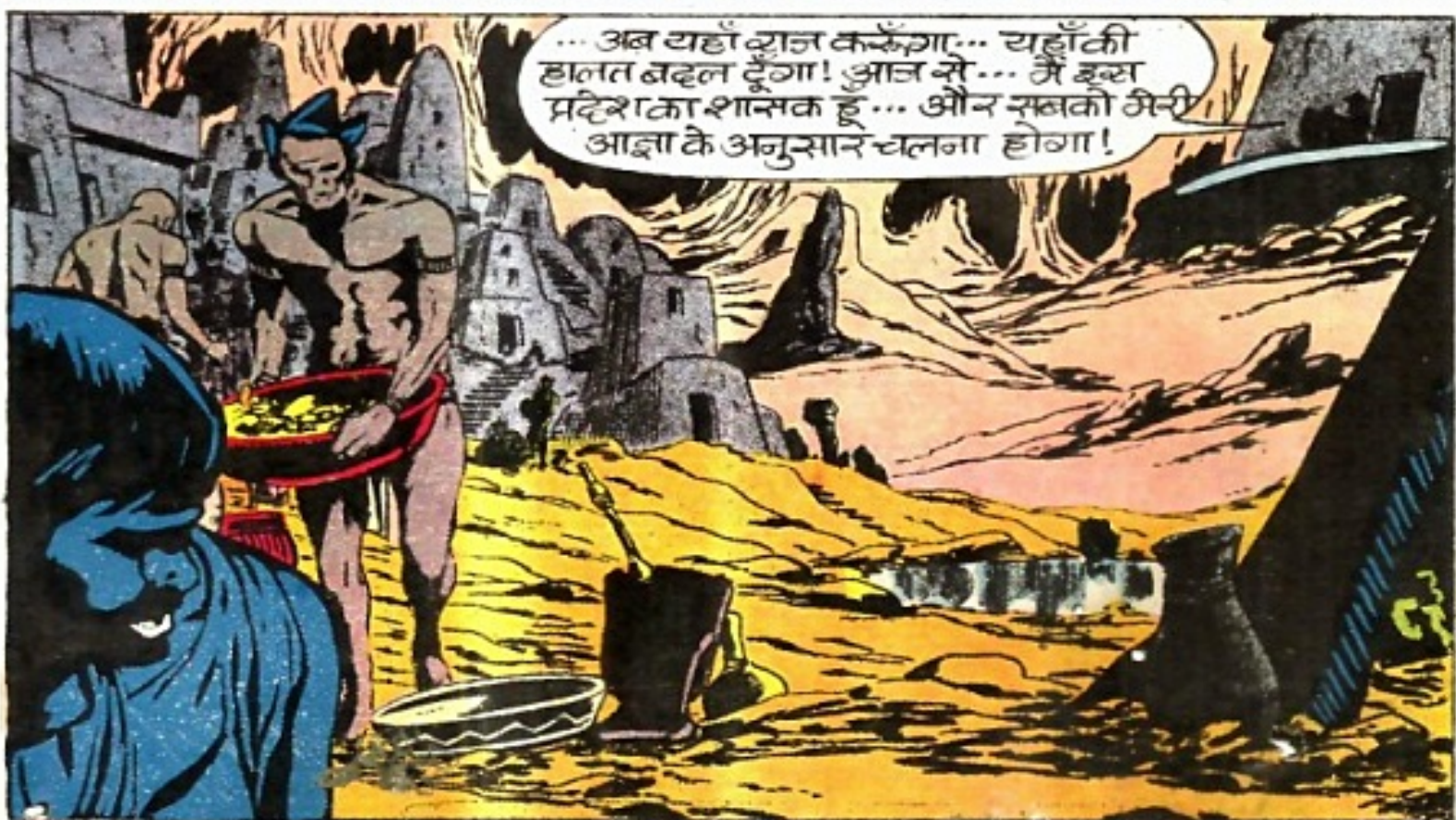
टूटे हुए विमान से विक जो अग्नि-दण्ड लाया उससे डर कर कुर्नाल क़बीला लुटेरों का क़बीला बन गया...

चलो- हमला करो, मूर्खो! मैं कहता हूँ... आग लगाओ, मारो..... लेकिन छिपे हुए ख़ज़ाने बचाओ... उनका मालिक मैं हूँ!

अआई

इन्हें ख़ज़ानों की क्या ज़रूरत! ये और जमा कर लेंगे... ताकि मैं फिर आऊँ और ले जाऊँ! हा-हा-हा!

ऐसे कई हमलों के बाद...

विक- तुम पागल हो गये हो! यह क्या कहते हो? सम्हालो अपने आप को!

इसे क़ैद करो! बहुत सुनी इसकी बकवास! सुरंग में डाल दो!

नहीं! मेरी बात तो सुनो! इसका सर फिर गया है... पहले यह ऐसा न था!

अग्नि दण्ड कहा- सुरंग में डालो!

अग्नि दण्ड जो कहा वह करेंगे!

सुबक... ओः... कोई तो सुनो मेरी... कोई नहीं- कहीं भी- जो मेरी मदद करे?

बेसहारा लोगों की पुकार कभी-कभी सुनायी नहीं देती – किन्तु उनकी मुसीबत छिपी नहीं रहती...
क्या है, शेरा? कौन आ रहा है वेताल की गुफा में?
अलाई! तुझे क्या हुआ? वेताल के मित्र की यह हालत किसने बनायी?
कुनाल... कुनाल क़बीला... लुटेरे हैं... मेरा गाँव जला दिया!
कुनाल!? वे तो शान्ति-प्रिय हैं... दुनिया से अलग-थलग... अपने पहाड़ों में रहते हैं! अपने जालों में चिड़ियाँ पकड़ते हैं! उनकी है यह करतूत?
अलाई झूठ नहीं कहता... कुनाल ने मेरा गाँव बरबाद किया! और भी करेंगे! अग्नि दण्ड उनका मुखिया है!
अग्नि दण्ड?! कोई बन्दूक़ वाला है... कुनाल राज्य में जा पहुँचा है!
किसी ने बन्दूक़ के सहारे शान्ति-प्रिय कुनाल लोगों को हत्यारा बना दिया! उसे खोजना होगा... और रोकना होगा!

लगती तो शान्ति है!... कुजाल ने अपने सैकड़ों वर्ष पुराने रहन-सहन को बदला हो — इसका कोई लक्षण नहीं!

मेरे पुरखों के इतिहास में एक गुप्त मार्ग का उल्लेख है... वह है कहाँ?

ओह! तुम- तुमने मुझे डरा दिया! तुम कौन हो?
लोग मुझे चलता-फिरता प्रेत भी कहते हैं! लेकिन तुम बताओ - तुम कौन हो?

...जब विमान गिर पड़ा, वे हमें चट्टानों में ले गये! विक के सर में चोट आयी थी... वह पागल हो गया... अपने को सम्राट समझता है!
समझता है... बन भी गया है!

तो तुम करोगे क्या?
तुम्हारा भाई मुखिया न रहे तो कुनाल फिर शान्ति से रहने लगेंगे... मैं उसी की रोक-थाम करूँगा! शेरा, यहीं रहना!

सुनो - कोई सुनो! पानी - मुझे पानी पिलाओ!
पीले बाल चिल्लाती है! जा कर देखूँ... उसे जीवित रखना है - मरना नहीं...

जल्दी करो - इसे बाँधने को कुछ दो!
धड़ाक
कड़ड़ड़क

जल्दी चलो… किसी को हमारे आने का पता न चले! तुम्हारे भाई तक पहुँचना है… वह औरों को बुला न पाये!
किन्तु उसका कुछ बिगाड़ना मत… वैसे वह बहुत भला है!
वह… वही है तुम्हारा भाई?
हाँ- हाँ… ध्यान रखना – भला आदमी है! चोट लगने से ही ऐसा हुआ है!
पहले रहा होगा भला… लेकिन अब तो अत्याचारी बन गया है!
गुलामो, जाओ! मैं तुम्हारा राजा हूँ… मुझे अकेला छोड़ दो!
वहाँ बैठा-बैठा सोचा करता है!
अभी अकेला है… इसी समय पहुँचना चाहिए! तुम यहाँ ठहरो! मैं उसे ले कर आता हूँ… फिर उसे महल से ले जायेंगे!
होशियार रहना… बन्दूक लिये है… कहीं चला बैठे! बन्दूक के बल पर ही राज कर रहा है!
वेताल के मन में कोई डर नहीं!

अन्दर है - और अकेला! उससे बन्दूक किसी तरह ले लूं तो निहत्था हो जायेगा!
अग्नि दण्ड की इस गुलामी से हमें छूटना चाहिए!
वह बहुत ताकत वाला है ... देखा तो है - अग्नि दण्ड क्या-क्या करता है!
क्या? - कौन हो तुम? मैं हुक्म देता हूं - मानता नहीं!
अभी तो...ओः ओः - आहट मिल गयी उसे!
बन्दूक नीचे डाल दो...
तुम्हारे पहनावे से मैं डरने वाला नहीं.... अग्नि दण्ड का कमाल! हा-हा-हा-हा!
धांय
बन्दूक नहीं... बातें करनी हैं... आआआह!
आआह! मैं - मुझे दिखता नहीं!
अब एक गोली क्यों बिगाड़ूं... यों ही खत्म कर दूं! हा-हा-हा!
धड़

इस नालायक को चट्टान से नीचे फेंक दो! तुम्हारे देवताओं का भोग!

यह... चलता-फिरता प्रेत... यह तो वेताल है!

यह हमारा रक्षक है... इसे नहीं फेंक सकते...

मुझसे कहते हो - नहीं फेंक सकते! मैं विक्टर हूँ - कहता हूँ देवताओं को इसका भोग दो!

आईईईई

फेंको जल्दी!... देर क्यों करते हो? फेंको — अभी... अग्नि दण्ड का मजा चखाना पड़ेगा!

वेताल... हमारे हाथों वेताल को मरवाता है?

हम करें भी क्या? इसके अग्नि दण्ड में बड़ी ताक़त है!

इसे फेंक दो नीचे!

मरा... वेताल... मरा!!!

यह खत्म हुआ! अब तुम हो... मैं हूँ... और मेरा अग्नि दण्ड! मैं तुम्हारा राजा हूँ... केवल मैं... समझे?
अब अक्ल आयी! जाओ – कवायद करो! मैं तुम्हें सैनिक बना कर रहूँगा... और फिर कोई ताकत मेरे सामने नहीं टिकेगी!
लेकिन प्रेत की मृत्यु यों आसानी से नहीं होती...
ओऽऽह! चिड़ियाँ पकड़ने की जाल... विक्टर इसे भूल गया! मैं जीवित हूँ... लेकिन मेरी आँखें... वह धड़ाका... मैं अन्धा हो गया!
मैं अन्धा हो गया!
मैं अन्धा हूँ... बेकार! जाल से नीचे उतर भी जाऊँ... लेकिन विक्टर को लूट-मार से कैसे रोकूँगा? आँखों के लिए क्या करूँ?

मेरी आँखें! तू मेरी आँखें है! मेरा साथी... चल, वापस गुफा में चलें! मुझे रास्ता बता!
जंगली बेल की डोरी बना कर वेताल चल पड़ा...
मेरे अच्छे साथी... चुपचाप चलना है... विक्टर के पास! वह भी घायल है... इससे दुष्ट हो गया है! उसे सुधारना है!
वेताल! क-क्या हुआ? मैंने देखा था - तुम्हें उठा कर ले गये थे... फिर क्या किया उन्होंने?
मुझे चट्टान से फेंक दिया! तो मैं जाल में अटक गया। लेकिन अन्धा हूँ!
नहीं!
धड़ाके से चोट आयी... यहाँ कोई और भी है! कौन है?
तुम्हारा दोस्त... तुम अग्नि दण्ड से बलवान हो... मैं तुम्हारे साथ हूँ!
हम उन पर धावा नहीं कर सकते! विक्टर के पास बन्दूक है! उन्हें वेताल की शक्ति दिखानी होगी! कॉनी, जा कर टूटे हुए विमान से पेट्रोल लाओ!
तुम कबीले में जाओ, ओटू, और लोगों से कहो कि वेताल लौट कर बड़े वाले कक्ष में आयेगा!
ओटू अभी जाता, वेताल...

कुनोल लोग तुरन्त ही बड़े वाले कक्ष में आ कर एकत्र हुए...
क्या बात है? मैंने तुम्हें यहाँ आने का हुक्म नहीं दिया! क्यों आये हो? किसकी करतूत है यह?
मुझे वेताल ने भेजा है – कहलाया है – वह वापस आयेगा!
बकवास है!! वेताल मर गया... उसे चट्टान से फिंकवाया! तुमने देखा नहीं...
देखो... वह आ रहा है!
वेताल आ रहा है!
लौट आया है!
फ़ौऊँऊँऊँट
महाबली वेताल!
वेताल अमर है!
वह बचायेगा हमें!
हम विक्टर का कहा नहीं करेंगे... वेताल ने हमें बचा लिया!

कुर्बाल लोग तुरन्त ही बड़े वाले कक्ष में आ कर एकत्र हुए...
क्या बात है? मैंने तुम्हें यहाँ आने का हुक्म नहीं दिया! क्यों आये हो? किसकी करतूत है यह?
मुझे वेताल ने भेजा है – कहलाया है – वह वापस आयेगा!
बकवास है!! वेताल मर गया... उसे चट्टान से फिंकवाया! तुमने देखा नहीं...
देखो... वह आ रहा है!
वेताल आ रहा है!
लौट आया है!
फ्रौऽऽऽऽऽऽट
महाबली वेताल!
वेताल अमर है!
वह बचायेगा हमें!
हम विक्टर का कहा नहीं करेंगे... वेताल ने हमें बचा लिया!

मूर्खों - मैं तुम्हारा राजा हूँ ... मेरा हुक्म मानना होगा... नहीं तो तुम सबको अग्नि दण्ड से खत्म कर दूँगा... कोई नहीं बचेगा...
मेर - मेरा - सर - आ!!!!!!!ह!
कुछ दिन बाद ...
... यानी विक्टर की खोपड़ी दब गयी थी? इससे मस्तिष्क दब रहा था?
हाँ, कॉनी! दबाव के कारण मस्तिष्क बिगड़ गया था! वे अब ठीक है! डाक्टरों ने आपरेशन करके उसे ठीक किया... और मुझे भी!
दुनिया वाले कभी नहीं समझेंगे कि कुर्नाल क्यों शान्ति से रहना पसन्द करते हैं, कॉनी, दुनिया को कुर्नाल का पता नहीं मिलना चाहिए!
मैं समझती हूँ, वेताल...
विक्टर को स्वस्थ हो जाने दो... मैं तुम दोनों को यहाँ से ले जाऊँगा! उसे कुछ याद नहीं रहेगा...
... और मैं कुछ बताऊँगी नहीं, वेताल... मैं वचन देती हूँ!

मूर्खो - मैं तुम्हारा राजा हूँ ... मेरा हुक्म मानना होगा ... नहीं तो तुम सबको अग्नि दण्ड से खत्म कर दूँगा ... कोई नहीं बचेगा ...
मेर- मेरा- सर- आ!!!!!!!ह!
कुछ दिन बाद ...
... यानी विक्टर की खोपड़ी दब गयी थी? इससे मस्तिष्क दब रहा था?
हाँ, कॉनी! दबाव के कारण मस्तिष्क बिगड़ गया था! वे अब ठीक हैं! डाक्टरों ने आपरेशन करके उसे ठीक किया ... और मुझे भी!
दुनिया वाले कभी नहीं समझेंगे कि कुर्नाल क्यों शान्ति से रहना पसन्द करते हैं, कॉनी, दुनिया को कुर्नाल का पता नहीं मिलना चाहिए!
मैं समझती हूँ, वेताल ...
विक्टर को स्वस्थ हो जाने दो ... मैं तुम दोनों को यहाँ से ले जाऊँगा! उसे कुछ याद नहीं रहेगा ...
... और मैं कुछ बताऊँगी नहीं, वेताल ... मैं वचन देती हूँ!

छोटे राजा
— सोग्लो

और इस बनावटी आदमी से डरते ही नहीं!

नागराज का निर्णय

जब वन में कबीले आपस में लड़ पड़े... एक व्यापारी की दुकान जलायी गयी... मिशनरी और उनकी पत्नी को पकड़ लाये... कबायली वीर उनका फ़ैसला करने बैठे... यह करतूत थी कालुबु ओझा की...
इनके जीवन का फ़ैसला करेंगे सांप देव माम्बा!
माम्बा फ़ैसला करें!
माम्बा कौन है, जॉर्ज?
माम्बा साँप है... दुनिया में सबसे ज़हरीला... इसका काटा पानी नहीं माँगता!
माम्बा... इन बाहरी आदमियों का फ़ैसला आप करें!
फूँ ऊँ ऊँ ऊँ

मारना ही है तो मुझे मार डालो... मेरी पत्नी को छोड़ दो!
मात्वा बुद्धिमान हैं... वे तुम्हारा फैसला करेंगे!

मात्वा, अभी आपका सामना इन बाहरी लोगों से होगा... इनकी ज़िन्दगी आपके हाथ है!
तुम साँप को छेड़ रहे हो... ताकि वह छूते ही किसी को काटे!

मात्वा... समय आ गया! मैं आपको छोड़ता हूँ...
फूँऊँऊँफूँऊँ

साँप बड़ा है... इसका ज़हर दस आदमियों को काफ़ी है! तुम फ़ौरन मर जाओगे!
अच्छा हुआ, मेरी पत्नी बेहोश हो गयी!
फूँऊँऊँऊँ

साँप को लकड़ी से उठा कर कालुंबु मिशनरी को परेशान करने लगा...
देखो – मैं साँप को तुमसे छुआऊँगा... तुम्हें लगेगा जैसे गर्म लोहा छुआ दिया... और ज़हर अपना असर करने लगेगा!
फूँऊँऊँऊँऊँ

माम्बा से फ़ैसला! साँप क्या ज़िन्दगी और मौत का फ़ैसला करेगा?
माम्बा मामूली नहीं है! देवता है – पवित्र है!
फ़ूँऊँऊँ
हो जाओ तैयार...
फ़ूँऊँऊँ
तो माम्बा हम दोनों के बीच फ़ैसला करे!
आ ऽऽ ईईई!
साँप को मार डालो, मूर्खो!
माम्बा को? नहीं... देखता है हमें कितना विश्वास है!
फ़ूँऊँऊँ
इसे दूर करो मुझसे!
माम्बा ने फ़ैसला कर दिया.. इसे वापस बन्द कर दें!
मुझे खोलो! कालुबु बच सकता है!
कालुबु मरेगा! माम्बा का फ़ैसला है... तुम्हें खोल देता हूँ!

कालुबु मर गया तो मिशनरी और उसकी पत्नी भी शायद ही जीवित बचें ... कालुबु बच जाये तो?

यह चमत्कार हो गया ... फिर तो मिशनरी कबीले को पढ़ना-लिखना सिखाने लगा! और कालुबु उनका समर्थक बन गया!

छोटे राजा
— सोग्नो

शाही
श्वान
केशकर्तनालय

महाबली वेताल
डेंकाली के जंगलों में अजीब - अजीब पशु भरे पड़े थे।
लेकिन मृत्युंजय वेताल ने जो सबसे अजीब जानवर
देखा वह था
हत्यारा वनमानुष
हा-हा-हा-हा! तुमने हत्या की वेताल.. उसका दण्ड भोगो! हा-हा-हा-हा!
मूर्ख... नहीं! ऊपर खींचो मुझे... अभी समय है!!

गुन्थर मास डेंकाली के पशुओं का माना हुआ जानकार था... उस लगनशील वैज्ञानिक को सबसे निराला लगता था...
विशालकाय बनमानुस! संसार में केवल डेंकाली में कुछ बचे थे!
अनोखी बात है... परिवार की तरह रहते हैं! इनकी बातें लिखता चलूँ!
गड़बड़ हो गयी... ये तो चल दिये! इनका पीछा करूँ... कुछ और दिख जायेंगे! गिनती करूँगा!
मुझे अपनी किताब पूरी करने की सामग्री मिल जायेगी - किताब - अन्तिम विशालकाय बनमानुषों का जीवन! जल्दी चलूँ... वे आगे गये!

गुन्थर मास डेंकाली के पशुओं का माना हुआ जानकार था... उस लगनशील वैज्ञानिक को सबसे निराला लगता था...
विशालकाय बनमानुस! संसार में केवल डेंकोली में कुछ बचे थे!
अनोखी बात है... परिवार की तरह रहते हैं! इनकी बातें लिखता चलूँ!
गड़बड़ हो गयी... ये तो चल दिये! इनका पीछा करूँ... कुछ और दिख जायेंगे! गिनती करूँगा!
मुझे अपनी किताब पूरी करने की सामग्री मिल जायेगी - किताब - अन्तिम विशालकाय बनमानुषों का जीवन! जल्दी चलूँ... वे आगे गये!

मुसीबत – पता नहीं किधर गये ! उनका कोई निशान भी नहीं दिखता ! लेकिन होने चाहिएँ कहीं पास ही !
अभी – अभी यहीं पर थे … और …

उफ़ ग़ज़ब !
डाक्टर मास … भागो … बनमानुस … खतरनाक है !!
अर्रर्र्र्र्ह
वेताल ! तुम यहाँ कैसे … छोड़ो भी ! ये मेरे दोस्त हैं ! कुछ बिगाड़ेंगे नहीं …
अर्र्र्र्र्वो
भागो, डाक्टर मास … यह तुम्हें मार डालेगा …
नहीं ! गोली मत मारो … मत मारो गोली !
धाँय धाँय धाँय

बाद में वेताल ने सारे मामले पर बहुत विचार किया ...

बाद में वेताल ने सारे मामले पर बहुत विचार किया ...

फिर... वेताल की गुफा से कुछ दूर एक गाँव में ...
आ!! ई ई ई! हत्यारे बनमानुस... लौट आये!
मुझे बचाओ... कोई बचाओ मुझे!
बचाओ!
बचाओ!
मेरा बच्चा... बच्चे को बचाओ!
इन्हें पकड़ो... इनके गाँव नष्ट कर दो! बता दो – डेंकाली में राज किसका है! पकड़ो इन्हें!
मारो... मिटाओ... नाश करो!
मदद... गाँव के लिए मदद लानी होगी!
कुछ देर बाद...
वेताल! वे फिर आ गये... बनमानुस... आ!!! ह!
उफ़... यह तो घायल है!

जनमानुसों की क्या बात है? कहाँ हैं वे? कहाँ से आये हैं?
मालूम नहीं... आये हैं... नाश कर रहे हैं! बहुत बड़ा है उनका मुखिया!
बहुत बड़ा? डेंकाली में तो बड़ा केवल एक था... उसे मैंने मार दिया!
फिर यह, कहाँ से आया? उन्हें रोकना ही होगा — अभी!
इस मामले का पूरा पता लगाना... आााा!!
गड़ा ढका हुआ... यहाँ शिकार तो होता नहीं...
हा-हा-हा- पकड़ लिया... हमने पकड़ लिया चलते-फिरते प्रेत को!

उठा लाओ... मेरे पास लाओ! इसकी पिस्तौल से बच कर... इसी ने इसने एक बार मुझे मारा था...
अर्र्र्र्र्र्र्ह
बनमानुस! आये! और वह! विशालकाय — जो मैंने मारा था!
समझ में नहीं आता! गुफ़ा पर हमला... मेरे तो मित्र हैं... ओफ़्फ़!
अर्र्र्र्र
इसे मारना मत! इसने उस बनमानुस को मारा था... मैंने सोच लिया है इसके लिए... लाओ इधर!
क्या—?!! बोलता है...
मास्स डाक्टर मास्स! पागल हो गये हो क्या?
नहीं वेताल... तुम्हारे दिन पूरे हो गये! विशालकाय बनमानुस को मारने का मोल चुकाना होगा!
मैंने तो तुम्हें बचाया था...
कोई ज़रूरत नहीं थी... वह मेरा कुछ न बिगाड़ता! ये मेरे हैं — मेरे... इसे घड़ियालों के तालाब में डाल दो!

तुम्हारा सर फिर गया है, मारा... इस करतूत के बाद वह तुम्हें छोड़ेंगे नहीं!

बको मत! जाओ तालाब में!

मेरे हाथ... किसी तरह खोलने होंगे!

बेताल पानी में गिरा...

मूर्ख... अब नहीं छोड़ेंगे तुझे! आ।।।। हह!

हाथ खुल गये!... ठीक समय पर!!

उफ्फ्फ्फ! मारा पागल हो गया... मस्तिष्क बिगड़ गया...

अब पाँव खोलने हैं...
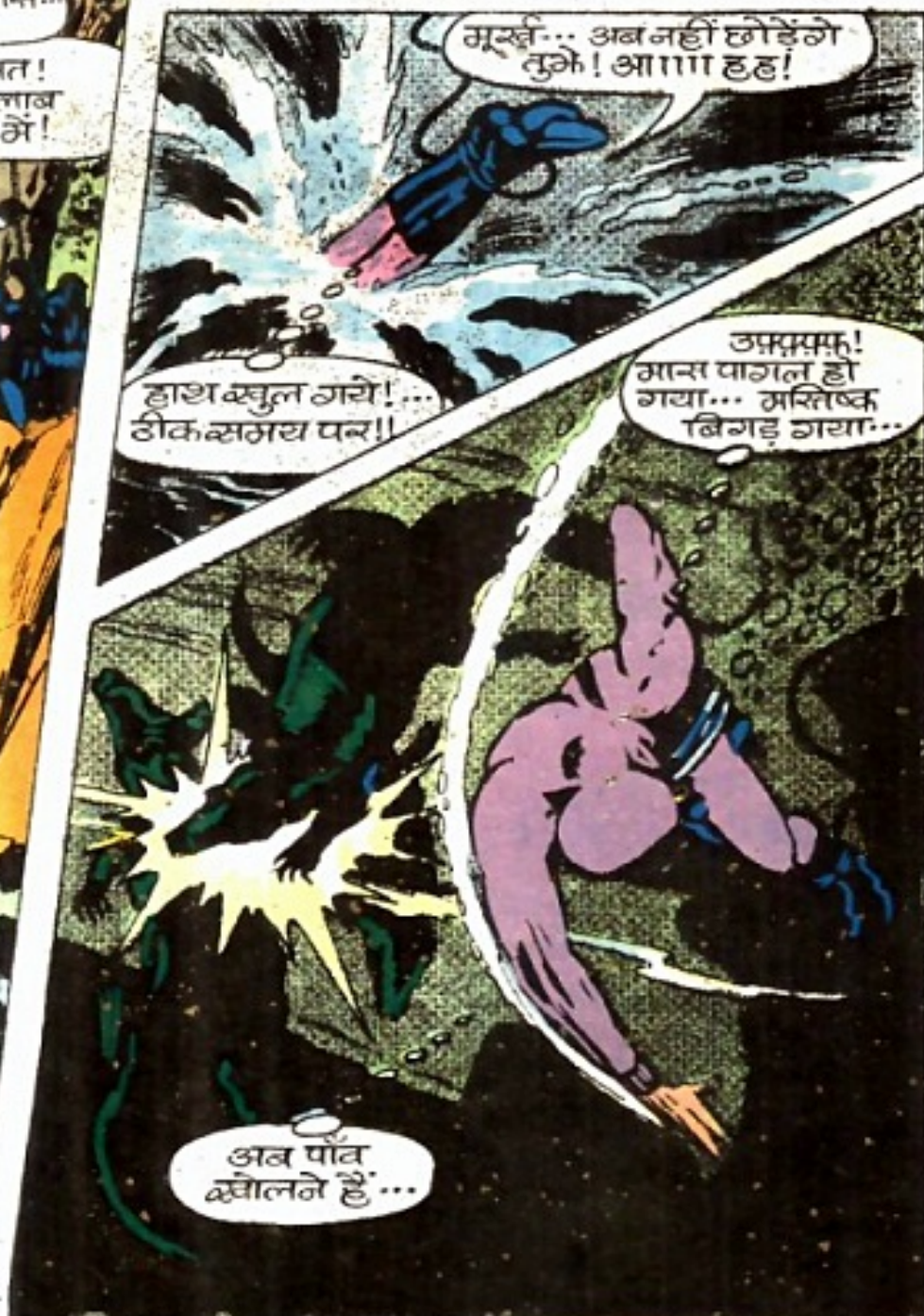
कोलगेट डेन्टल क्रीम से सांस की दुर्गंध रोकिये... दंतक्षय का दिन भर प्रतिकार कीजिये!

वैज्ञानिक परीक्षणों से यह सिद्ध हो चुका है कि १० में से ७ लोगों के लिए कोलगेट सांस की दुर्गंध को तत्काल खत्म कर देता है और कोलगेट विधि से खाना खाने के तुरंत बाद दांत साफ़ करने पर अब पहले से अधिक लोगों का— अधिक दंतक्षय रुक जाता है। दंत-मंजन के सारे इतिहास की यह एक बेमिसाल घटना है। क्योंकि एक ही बार दांत साफ़ करने पर कोलगेट डेन्टल क्रीम मुंह में दुर्गंध और दंतक्षय पैदा करने वाले ८५ प्रतिशत तक रोगाणुओं को दूर कर देता है। केवल कोलगेट के पास यह प्रमाण है। इसका पिपरमिंट जैसा स्वाद भी कितना अच्छा है— इसलिए बच्चे भी नियमित रूप से कोलगेट डेन्टल क्रीम से दांत साफ़ करना पसंद करते हैं।

COLGATE
DENTAL CREAM

ज़्यादा साफ़ व तरोताज़ा सांस और ज़्यादा [illegible] दांतों के लिए...

दुनिया में अधिक लोग दूसरे टूथपेस्टों के बजाय कोलगेट ही खरीदते हैं!

DC.G.43 HN

बेनेट, कोलमैन एण्ड कं. लिमिटेड के लिये प्यारेलाल साह द्वारा टाइम्स ऑफ इण्डिया प्रेस, बम्बई में मुद्रित और प्रकाशित। संपादक : महावीर अधिकारी।
Indrajal Comics, No. 107 April 1, 1970 Hindi

Newspapers in India under No: R. N. 11480 64